Dr. Pragya Rai, Asst. Prof. Pol. Sci.
Maharaja College
BA-1, Paper-1, Unit-2(c)

राजनीति के उदारवादी और मार्क्सवादी दृष्टिकोण में अन्तर

(1) धर्मनिरपेक्ष राज्य का आदर्श उदारवादी दृष्टिकोण की पहचान है जबकि मार्क्सवादी दृष्टिकोण में धर्मनिरपेक्षता का कोई उल्लेख नहीं है।

(2) लोकतंत्र और लोकतांत्रिक पद्धति में अटूट विश्वास उदारवादी दर्शन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। मार्क्सवादी दृष्टिकोण ऐसी पद्धति में विश्वास नहीं करता।

(3) जहाँ उदारवाद सुधारवादी दर्शन है वहाँ मार्क्सवादी दृष्टिकोण क्रान्तिकारी है।

(4) मार्क्सवादी विचारधारा राज्य और शासन को शोषण का यंत्र मानती है, जबकि उदारवादी विचारधारा में ऐसी कोई बात नहीं है।

(5) उदारवादी दृष्टिकोण की मान्यता है कि मानवीय जीवन की विविधतायें और समस्यायें संघर्ष की स्थिति को जन्म देती हैं। मार्क्सवादी दृष्टिकोण राजनीति को वर्ग मतभेद और वर्ग-संघर्ष के रूप में प्रस्तुत करता है जिसमें सत्ता पर नियंत्रणकर्ता शक्तिशाली

वर्ग राजनीति और राजसत्ता का उपयोग अपने हितों की पूर्ति के साधन के रूप में करता है।

(6) राजनीति का उदारवादी दृष्टिकोण राज्य और राजनीति के प्रति सुधारवादी और समन्वयकारी दृष्टिकोण अपनाता है। मार्क्सवादी दृष्टिकोण वर्ग संघर्ष के तत्व को केन्द्रीय स्थिति प्रदान करते हुये राज्य तथा शासन को शोषणकारी संस्था के रूप में चित्रित करते हुये 'संघर्ष प्रतिमान' प्रस्तुत करता है।